कार्यालय उपखण्ड अधिकारी, डूंगरपुर

मिसल नं0 522 दिनांकः- 07-06-2018

:: निर्णय ::

प्रार्थी श्री ..सरता पिता रामा मीणा..

जति..मीणा.. उम्र ..नि0..मडुई..तहसील डूंगरपुर ने न्याय आपके द्वार अभियान 2018 लोक अदालत ..मडुई.. दिनांक ..07-06-18..को इस आशय का एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111, 128 ल0रे0एक्ट के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया की मौजा ..मडुई.. पंचायत समिति ..डूंगरपुर.. में स्थित खाता संख्या ..251.. पर आराजी नं0 ..109.. कुल ..0..बीघा. ..3..बिस्वा किता ..1..योग रकबा ..3(तीन बिस्वा)..पर प्रार्थी मालिक काबिज होकर कृषि काश्त करता आ रहा है और अप्रार्थीगण से आये दिन सीमा (हेडे, पारी) की बात को लेकर विवाद होता है। करते है और लडाई झगडा करते है। इस वजह से प्रार्थी अपनी उक्त आराजी पर पत्थरगढी कराना चाहता है। जिस पर प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। उक्त प्रार्थना पत्र के साथ अप्रार्थी..हुर्का पिता कोदा..नि0..मडुई..ने भी पत्थरगढी करने की सहमति दी है। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र के साथ ग्राम ..मडुई.. के खसरा नं0 ..102.. रकबा ..0.. बीघा ..18..बिस्वा कुल किता ..1.. योग रकबा ..0-18 (अठारह बिस्वा)..की जमाबंदी सम्वत् ..2070-73.. ..की प्रमाणित प्रति भी संलग्न की है।

पत्रावली का गहन अवलोकन किया गया। पत्रावली पर प्रार्थी द्वारा नक्शा ट्रेस एवं जमाबंदी प्रस्तुत की गई जिसके अनुसार प्रार्थी खातेदार काश्तकार है ओर विपक्षीगणों द्वारा किसी प्रकार का कोई विरोध नही किया गया एवं सहमति प्रदान की गई है। इस प्रकार मौजा ..मडुई.. में स्थित खाता संख्या ..251.. पर आराजी नं.0 ..109.. रकबा ..0-03 बिस्वा..कुल किता ..1.. ..कुल रकबा ..0-03 बिस्वा..की पत्थर गढी कराने का हकदार है।

लिहाजा मौजा ..मडुई..मे स्थित खाता संख्या ..251.. पर आराजी नं0 ..109.. .... रकबा ..0-03 बिस्वा..कुल किता ..1..कुल रकबा ..0-03 बिस्वा..की पत्थरगढी किये जाने के आदेश दिये जाते है। तहसीलदा, डूंगरपुर भू0अ0 निरीक्षक..थाणा..के नेतृत्व में टीम गठीत कर बिना किसी अन्य खातेदार के खाते को डिर्स्टब किये पत्थर गढी की जावे। तहसीलदार, डूंगरपुर को तहरीर जारी हो पत्थरगढी शुल्क रू0 ..500/-.. प्रार्थी स्वंय राजकोष में जमा करावे तभी पत्थरगढी की जावे। पत्रावली फैसल में शुमार होकर नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
डूंगरपुर